B - III
L - 16
M I H

प्रशासनिक ढांचा

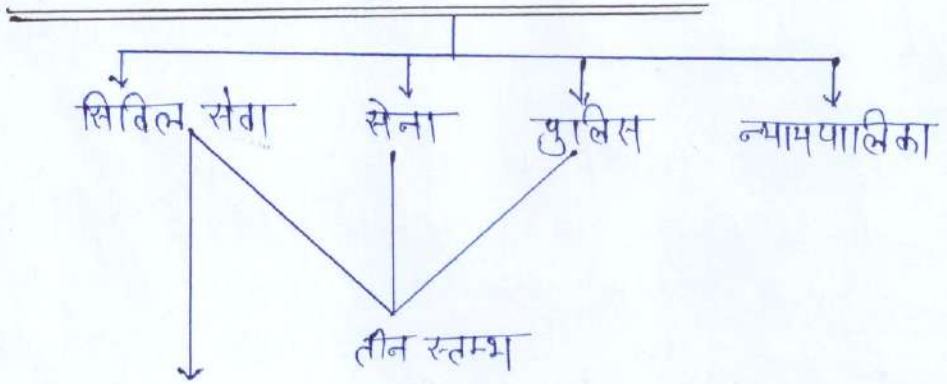

तथ्यात्मक जानकारी :-

पुलिस :-

- वारेन हेस्टिंग्स ने कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जमींदारों को सौंपी।
- कार्नवालिस ने पुलिस स्टेशन की स्थापना की और इसका प्रमुख दरोगा को बनाया।
- सिंध के विलय के पश्चात पदसोपान पर आधारित आधुनिक पुलिस प्रशासन की नींव रखी गई जिसपर आयरलैंड के पुलिस प्रशासन का प्रभाव था।
- इसको आधार बनाते हुए 1861 में शण्डिपन पुलिस एक्ट पारित किया गया कुछ संशोधनों के साथ यह अधिनियम आज भी प्रभावी है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• 1902 में फ्रेजर आयोग का गठन किया गया।

सेना :-

• कम्पनी के काल में सेना में क्राउन एवं डायरेक्टर के द्वारा नियुक्त सैनिक के साथ-साथ भारतीय सैनिकों को भी शामिल किया गया।

• ऐसा माना जाता है कि रॉबर्ट क्लाइव ने सर्वप्रथम भारतीय सैनिकों को सेना में शामिल किया।

नोट : वेतन भोगी नियमित सैनिक के रूप में सर्वप्रथम फ्रांसीसियों ने भारतीयों को 1720 के दशक में सेना में शामिल करना प्रारम्भ किया।

• 1857 तक भारत में लगभग तीन लाख ग्यारह हजार सैनिक थे जिसमें लगभग 45 हजार ही अंग्रेज थे।

• सैनिकों में क्षेत्रीय निष्ठा को प्रायः प्रोत्साहित किया जाता था।

• 1857 के विद्रोह के पश्चात सेना में पुनर्गठन के लिए पील आयोग का गठन किया गया इस आयोग की अनुशंसा पर सेना में कई परिवर्तन किए गए जैसे- अंग्रेजों की संख्या बढ़ायी गयी (लगभग 65 हजार)।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES

सैनिक रेजिमेंट को मिश्रित स्वरूप का बनाया गया।

- कंपनी की सेना को समाप्त कर दिया गया और सैनिकों का विलय ब्रिटिश सेना में कर दिया गया।

सिविल सेवा :-

- कार्नवालिस को आधुनिक सिविल सेवा को प्रारम्भ करने का श्रेय दिया जाता है, 1793 से सिविल सेवकों की नियुक्ति प्रसंविदा के आधार पर की जाने लगी।
- कार्नवालिस ने 1500 रुपये मासिक वेतन और राजस्व वसूली का 1 प्रतिशत सिविल सेवक को दिए जाने का प्रावधान किया।
- कार्नवालिस ने सिविल सेवक या कलेक्टर को न्यायिक कार्यों से अलग किया। (शक्ति का पृथक्करण)
- सिविल सेवकों को भारत मे प्रशिक्षण देने के लिए फोर्ट विलियम कॉलेज का गठन किया गया
- हालांकि कुछ वर्षों के पश्चात इसे बंद कर दिया गया और 1806 से ब्रिटेन के हैलीबरी में ईस्ट इण्डिया कालेज में सिविल सेवकों को प्रशिक्षण दिया जाने लगा।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• 1853 के चार्टर अधिनियम में प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर चयन का प्रावधान किया गया।

• 1854 से प्रतियोगिता परीक्षा की शुरूआत हुई

नोट :

परीक्षा का आयोजन केवल ब्रिटेन में, अधिकतम उम्र 23 वर्ष, अंग्रेजी के साथ-साथ ग्रीक एवं लैटिन भाषाओं का ज्ञान भी आवश्यक था।

• 1861 में भारतीय सिविल सेवा अधिनियम पारित किया गया।

• 1863 में सत्येन्द्रनाथ टैगोर प्रथम भारतीय थे जिन्होंने इस परीक्षा को पास किया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• 1878 में सिविल सेवा में प्रवेश की अधिकतम उम्र 19 वर्ष रखी गई।

• 1886 में सिविल सेवा पर एक एचिंसन समिति बनाई गई।

• 1919 के अधिनियम में सिविल सेवा परीक्षा का आयोजन भारत में भी कराने का प्रावधान किया गया।

• 1922 में इलाहाबाद में सर्वप्रथम इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

• 1924 में सिविल सेवा परीक्षा के लिए 'ली' आयोग का गठन।

इसमें सिविल सेवा में भारतीयों की संख्या बढ़ाकर क्रमशः 50% करने का सुझाव दिया

• 1926 में लोक सेवा आयोग का गठन भारत में किया गया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

ब्रिटिश काल में न्यायपालिका

- क्रमशः विकास :-

- वारेन हेस्टिंग्स - बंगाल में सदर फौजदारी एवं सदर दीवानी अदालत की स्थापना।
  - जिला स्तर पर भी फौजदारी एवं दीवानी अदालत की स्थापना।

- कार्नवालिस :- सदर अदालत एवं जिला अदालत दोनों के मध्य में सर्किट न्यायालय एवं प्रांतीय न्यायालय का गठन किया।
  जिला दीवानी अदालत के नीचे रजिस्ट्रार एवं मुंसिफ की अदालत (दीवानी एवं फौजदारी दोनों में)

- कलेक्टर को न्यायिक कार्यों से अलग किया।
- फौजदारी मामलों में इस्लामिक कानूनों के स्थान पर आधुनिक कानून का समर्थन किया।
- कार्नवालिस के उपरोक्त सुधारों को कार्नवालिस कोड भी कहा जाता है

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

विलियम बेंटिक :- उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली के लिए इलाहाबाद में पृथक सदर अदालत।

- फारसी भाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी उपयोग में लाने का समर्थन किया।

- मुंसिफ एवं निचले स्तर पर अन्यापिक पदों पर भारतीयों को महत्व दिया जाने लगा

- आधुनिक कानूनों के संकलन के लिए विधि आयोग का गठन।

कैनिंग → 1861 भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम पारित किया गया।

सदर, दीवानी एवं फौजदारी अदालत को समाप्त कर कलकत्ता (प्रथम), बाम्बे एवं मद्रास में उच्च न्यायलय का गठन 1862 ई० में किया गया।

- 1935 के अधिनियम में भारत में हाईकोर्ट से ऊपर संघीय न्यायलय का गठन किया गया जिसे स्वतंत्रता के पश्चात उच्चतम न्यायलय कहा गया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES